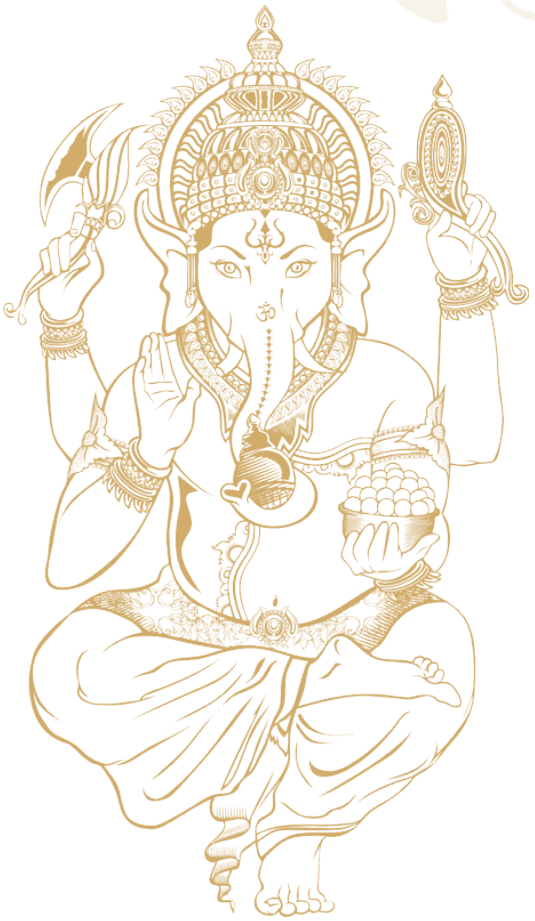

Sakshi

04 Jan 2006

05:30 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 119299103

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**04/01/2006**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**17:30:00 घंटे**
इष्ट	25:37:50 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:08:52 घंटे
वेलान्तर	-00:04:50 घंटे
साम्पातिक काल	00:04:41 घंटे
सूर्योदय	07:14:52 घंटे
सूर्यास्त	17:37:22 घंटे
दिनमान	10:22:31 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	20:02:58 धनु
लग्न के अंश	19:20:51 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	व्यतिपात
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	से-सेविका
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	19:20:51	315:12:58	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	---
सूर्य			धनु	20:02:58	01:01:10	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	राहु	मित्र राशि
चंद्र			कुंभ	20:10:51	14:25:32	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
मंगल			मेष	18:02:41	00:16:30	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	मंगल	स्वराशि
बुध			धनु	06:58:40	01:30:56	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
गुरु			तुला	19:54:53	00:09:18	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	शत्रु राशि
शुक्र	व		मक	05:00:49	00:26:28	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	मित्र राशि
शनि	व		कर्क	15:44:46	00:04:10	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	14:23:47	00:02:38	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	सम राशि
केतु	व		कन्या	14:23:47	00:02:38	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	13:54:46	00:02:20	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	---
नेप			मक	22:09:08	00:02:00	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	---
प्लूटो			धनु	01:04:30	00:02:09	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	07:20:15	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:56:26

लग्न-चलित

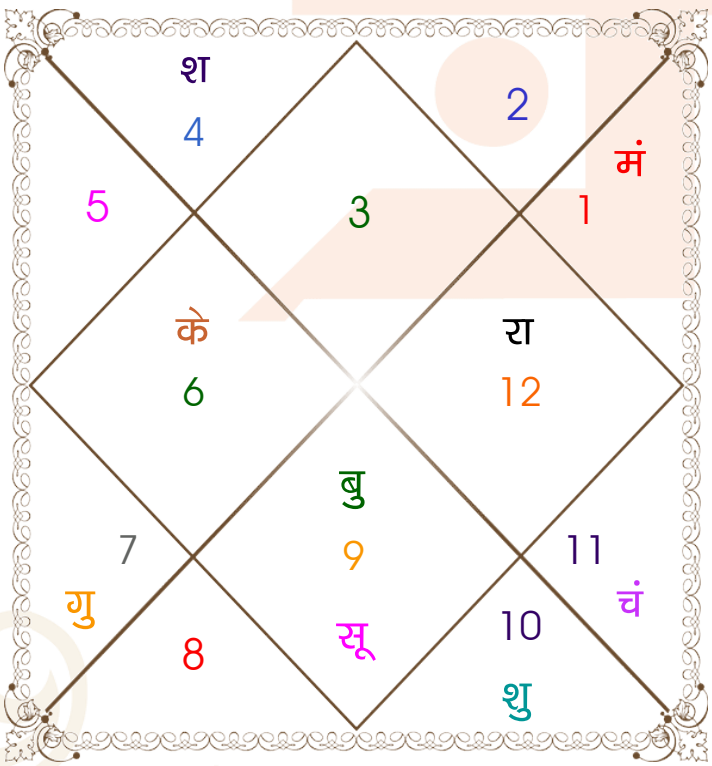

चन्द्र कुंडली

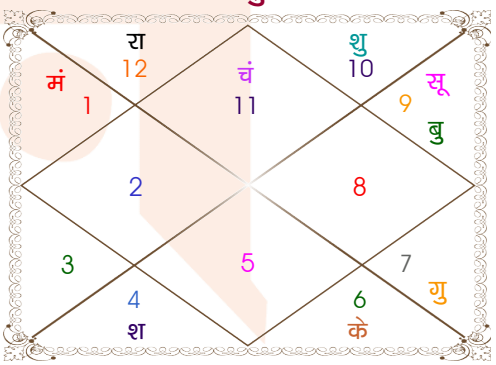

नवमांश कुंडली

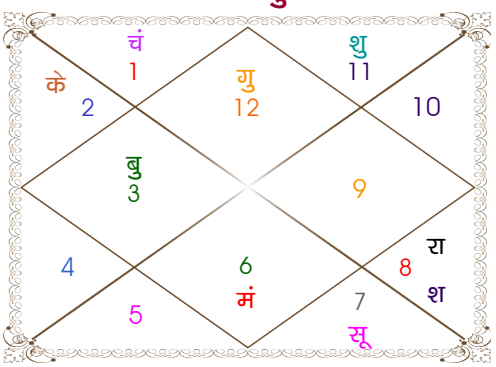

Trikal Jyotish Kendra
Mahavir Enclave
7042079557
saritaram.ram07@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 15 वर्ष 9 मास 12 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
04/01/2006		17/10/2021		17/10/2040		17/10/2057		17/10/2064	
17/10/2021		17/10/2040		17/10/2057		17/10/2064		17/10/2084	
गुरु	05/12/2007	शनि	20/10/2024	बुध	15/03/2043	केतु	15/03/2058	शुक्र	16/02/2068
शनि	17/06/2010	बुध	30/06/2027	केतु	12/03/2044	शुक्र	15/05/2059	सूर्य	15/02/2069
बुध	22/09/2012	केतु	08/08/2028	शुक्र	10/01/2047	सूर्य	20/09/2059	चंद्र	17/10/2070
केतु	29/08/2013	शुक्र	08/10/2031	सूर्य	17/11/2047	चंद्र	20/04/2060	मंगल	17/12/2071
शुक्र	29/04/2016	सूर्य	19/09/2032	चंद्र	17/04/2049	मंगल	16/09/2060	राहु	17/12/2074
सूर्य	15/02/2017	चंद्र	21/04/2034	मंगल	15/04/2050	राहु	05/10/2061	गुरु	17/08/2077
चंद्र	17/06/2018	मंगल	30/05/2035	राहु	01/11/2052	गुरु	11/09/2062	शनि	17/10/2080
मंगल	24/05/2019	राहु	05/04/2038	गुरु	07/02/2055	शनि	21/10/2063	बुध	18/08/2083
राहु	17/10/2021	गुरु	17/10/2040	शनि	17/10/2057	बुध	17/10/2064	केतु	17/10/2084

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
17/10/2084		17/10/2090		18/10/2100		18/10/2107		18/10/2125	
17/10/2090		18/10/2100		18/10/2107		18/10/2125		00/00/0000	
सूर्य	03/02/2085	चंद्र	18/08/2091	मंगल	16/03/2101	राहु	01/07/2110	गुरु	05/01/2126
चंद्र	05/08/2085	मंगल	18/03/2092	राहु	03/04/2102	गुरु	23/11/2112		00/00/0000
मंगल	11/12/2085	राहु	17/09/2093	गुरु	10/03/2103	शनि	30/09/2115		00/00/0000
राहु	04/11/2086	गुरु	17/01/2095	शनि	18/04/2104	बुध	19/04/2118		00/00/0000
गुरु	24/08/2087	शनि	17/08/2096	बुध	15/04/2105	केतु	07/05/2119		00/00/0000
शनि	05/08/2088	बुध	16/01/2098	केतु	11/09/2105	शुक्र	07/05/2122		00/00/0000
बुध	11/06/2089	केतु	17/08/2098	शुक्र	12/11/2106	सूर्य	01/04/2123		00/00/0000
केतु	17/10/2089	शुक्र	18/04/2100	सूर्य	19/03/2107	चंद्र	29/09/2124		00/00/0000
शुक्र	17/10/2090	सूर्य	18/10/2100	चंद्र	18/10/2107	मंगल	18/10/2125		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 15 वर्ष 9 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों की पर्यटक होंगी। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगी।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगी। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि की स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पाती। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाती हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देती हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने की आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहती हैं।

आप अच्छी तरह यह जानती हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करती हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होती हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाती हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकती हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगी। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगी।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगी। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।